MT - 114

Seat No. | | | | | | | |

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - III

Time : 3 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **2**

1) संन्यासी ने महंत को भयानक हिंसक जीव कहा क्योंकि - ----------

(अ) उसका रूप ही ऐसा था ।

(ब) उसने अनगिनत जीवधारियों का वध किया था ।

(क) उसकी वृत्ति ही हिंसक थी ।

2) बच्चे टोकरी से तब अलग हो गए ----------

(अ) जब मंगली ने उन्हें समझाया ।

(ब) जब उनका पेट भर गया था ।

(क) जब टोकरी का भोजन समाप्त हो गया ।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए : **3**

1) बिल्ली फँसाने का ..... आया ।

2) सामान्यतया ..... के मौसम में इसके पत्ते गिरते हैं ।

3) मैंने उसे पहली बार इतना ..... होते देखा था ।

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : **3**

1) असुर शब्द के कौन-से दो अर्थ हैं ?

2) लेखक के कानों में कौन - से शब्द गूँजने लगते ?

3) विवेकानंद जी को कहाँ आत्मसाक्षात्कार हुआ था?

4) फूड इन्स्पेक्टर 'टिक ट्वेंटी' क्यों चाहता था ?

5) प्रीति मोंगा सबसे बड़ी चुनौती किसे कहती हैं ?

ई) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए : 2

1) ''अब हमारे चलने का समय हो गया है।''.
2) ''वाह ! वाह ! बड़ा आनंद है ।''

उ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए : 9

1) भक्तिमार्ग पर चलने वालों के लिए वाणी किस प्रकार उपयोगी सिद्ध होती है ?
2) मैनेजर ने कूर्मांचल की कौन-सी करुण लोककथा लोगों को सुनाई ?
3) संन्यासी ने महंत के बारे में व्यंग्य करते हुए राजकुमार से क्या कहा ?
4) ग्वाले के साथ किए गए व्यवहार का क्या नतीजा निकलना चाहिए था ? - क्यों ? प्रत्यक्ष में नतीजा क्या निकला ?
5) बँगले में दिनभर काम करते समय विनायक बाबू ने क्या महसूस किया ?

ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : 3

''भ्रष्टाचार के घूसरेट फिक्स हैं । अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा । ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जाएँगे ।''

''अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो ?''

चपरासी खीझ जाता । कहता, ''अबे, पानी तो मिलाया ही कर । वरना तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे ? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है । उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का । अब तू जा और दूसरे दूधवालों को भी समझा दे । मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता ।''

1. चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट कब बढ़ेंगे ?
2. चपरासी दूधवाले को किस बात के लिए उकसाता है ?
3. चपरासी सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन कैसे करता है ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए : 3

1) और मिट गया चलते - चलते, ... - पथ तय करते - करते ।
2) तुम विशाल ..... पर, खून से विजय लिखो ।
3) रक्त वर्षों से ..... में खौलता है ।

ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए : 3

1) वर्षा ऋतु के आगमन पर मुख्य वक्ता कौन बन जाता है ?
2) कवि ने मन को क्या न सहने के लिए कहा है ?
3) धूल कैसे भागी ?

ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए : 3

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघर उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके ।
मेघ आए बड़े बन - ठन के सँवर के ।

(1) मेघों के आने पर कौन चली, कौन भागी ?
(2) 'बाँकी चितवन' का क्या अर्थ है ?
(3) बन - ठनकर कौन आया ?

घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए : 3

अंधकार का गरूर आन - बान तोड़ दो,
बालको, भविष्य के लिए मिसाल छोड़ दो,
दो नई - नई दिशा वर्तमान काल को ।

ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : 6

1) ब्रजनारियाँ यशोदा माँ को अनोखा पूत जनने का उपालंभ क्यों देती हैं ?
2) कवि 'नीरज' ने खग की हिम्मत कैसे बँधाई है ?
3) 'मेघ' रूपी 'मेहमान' के आने से प्रकृति में क्या परिवर्तन हुए ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए : 8

1) चंदा माँगने वाले और देनेवाले लोग एक - दूसरे को किस तरह पहचान लेते हैं ?
2) ईसाई धर्म में तुलसी का क्या महत्त्व है ?
3) थिंफू का राज्य संचालन कैसे किया जाता है ?
4) समाजसेवक ईश्वरचंद्र विद्यासागर की महानता किस प्रसंग से दृष्टिगोचर होती है ?

अथवा

निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1) तुलसी का बिरवा
2) थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी

प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

1) बहुत 2) परंतु

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : 1

1) हमारी ओर उन्होंने देखा ।
2) व्यंग्य बुरी चीज है ।

ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **1**

1) वे तोलकर बोलते थे । (सामान्य भूतकाल)

2) सर्दियों में पलाश के पत्ते गिरते हैं । (पूर्ण वर्तमानकाल)

झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : **1**

1) रामू की बहू ने तय कर लिया ।

2) पलाश को संस्कृत में 'किंशुक' कहा गया है ।

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) चाहना 2) बैठना

ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए : **1**

1) खरीदना 2) देना

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) मनीष ने प्रमिला को खिलौना दिलाया ।

2) जमींदार ने गरीब मनीष को बहुत रूलाया ।

(ठ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **2**

1) अभिनेत्री लेखक की मजाक उड़ाती है ।

2) भाषा ईश्वर का बड़ा देन है ।

3) उनकी हाथ जल गई ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) जॉर्ज ने कहा दोस्तो यह सवाल सही है

2) नेहरूजी ने कहा था ''आराम हराम है

3) रामचरितमानस तुलसीदास का अमर काव्यग्रंथ है

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **3**

1) खून सवार हो जाना ।
2) मस्तक नवाना ।
3) कमर कसना ।
4) मुँह मोड़ना ।
5) साफ कर देना ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं तीन</u> वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :
(गुदगुदा देना, नाक - भौं सिकोड़ना, लोट जाना, चैन न मिलना, खिलखिलाकर हँसना)

1) जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, मोहिनी छुटकारा नहीं पा सकेगी ।
2) छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर रमा अत्यंत प्रसन्नता के साथ हँसने लगी ।
3) अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी तिरस्कार प्रकट करेगा ।
4) हमारे जीवन में आनंनदायी क्षण बहुत कम होते हैं ।
5) हफ्ते भर की बीमारी में मरीज मर गया ।

प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : **10**

1) बूढ़े की आत्मकथा ।
2) विज्ञान : वरदान या अभिशाप ।
3) यदि परीक्षा न होती ..... ।
4) मेरी चाह ।

प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए : **4**

1) करन / करिश्मा वेद, बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर से सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय 24 घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ती है, अत: उसकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर के नाम पत्र लिखता / लिखती है ।
2) दिवाकर /दिव्या कदम, सुंदर धाम, गुड़गाँव से शास्त्री विद्यालय के प्रधानाध्यापक को मासिक शुल्क माँफ करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखता /लिखती है ।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।

दादर (मुंबई) एक शैक्षणिक संस्था के लिए आवश्यक टेलीफोन ऑपरेटर, क्लर्क आदि के लिए विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए ।

(थ) **निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।** **4**

रूपरेखा : एक चरवाहा – झूठ बोलने की आदत – शेर आया, शेर आया कहकर चिल्लाना – लोगों का दौड़कर मदद के लिए आना – चरवाहे का हँसना – लोगों का लौट जाना – तीन-चार बार ऐसा ही करना – एक बार सचमुच शेर का आना – चरवाहे का मदद के लिए चिल्लाना – किसी का न आना – शेर का उसे मार डालना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :**

मनुष्य जहाँ जन्म लेता है, वहाँ की धूल में खेलकर बड़ा होता है। वहाँ से उसे स्वाभाविक प्रेम हो जाता है। वहाँ के सभी लोग उसके जाने-पहचाने हो जाते हैं। लगभग सभी उसके समान भाषा बोलते हैं और सभी का रहन-सहन एक-सा होता है । ऐसी दशा में वहाँ के लोगों से उसकी ममता का होना स्वाभाविक है। मनुष्य चाहे कितने ही अच्छे स्थान पर क्यों न रहने लगे, उसका मन जन्मभूमि में पहुँचने को उत्सुक रहता है । जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है । जिस देश में हमने जन्म लिया है, जिसके अन्न, जल और वायु से हमारा पालन हुआ है, उसके प्रति प्रेम की भावना रखना हमारा कर्तव्य है । देश की उन्नति में ही हमारी उन्नति है । यदि देश गिरी दशा में होगा तो न हम अधिक दिन संपन्न रह सकते हैं और न हमारा मान हो सकता है। देश के प्रति सबको ममता की भावना रखनी चाहिए। **4**

Best Of Luck 👍

MT-114

2013 1100

MT - 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - III

Time : 3 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

प्रश्न 1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	संन्यासी ने महंत को भयानक हिंसक जीव कहा क्योंकि **उसने अनगिनत जीवधारियों का वध किया था ।**	**1**
2)	बच्चे टोकरी से तब अलग हो गए **जब उनका पेट भर गया था ।**	**1**
	आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :	
1)	बिल्ली फँसाने का कठघरा आया ।	**1**
2)	सामान्यतया सर्दियों के मौसम में इसके पत्ते गिरते हैं ।	**1**
3)	मैंने उसे पहली बार इतना दार्शनिक होते देखा था ।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	'असुर' शब्द का एक अर्थ है 'बिना सुर का' और दूसरा अर्थ है 'राक्षस' ।	**1**
2)	लेखक के कानों में ये शब्द गूँजने लगते - ''जो काम जिस समय करना है करना, न करना समय के साथ दगाबाजी है ।''	**1**
3)	विवेकानंद जी को त्रिशूल शिखरों में आत्मसाक्षात्कार हुआ था ।	**1**
4)	फूड इन्स्पेक्टर 'टिक ट्वेंटी' चाहता था क्योंकि वह आत्महत्या करने के मूड में था ।	**1**
5)	प्रीति मोंगा चुनौतियों को पहचानना सबसे बड़ी चुनौती मानती हैं ।	**1**
	ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :	
1)	राजकुमार ने संन्यासी का आतिथ्य स्वीकार किया था । रात के दस बजे थे । घना अँधेरा छाया हुआ था । इसी समय राजकुमार से शिकार पर चलने का इशारा करते हुए यह वाक्य संन्यासी ने कहा है ।	**2**
2)	गोवर्धनदास अपने महंत के आदेश पर नगर में भिक्षा माँगने जाता है । वहाँ पर वह कुँजड़िन से भाजी तथा हलवाई से मिठाई का भाव पूछता है । दोनों का एक ही उत्तर होता है 'टके सेर' तब गोवर्धनदास इस उत्तर को सुनकर अत्यधिक प्रसन्न होकर अपनी प्रतिक्रिया देता है, ''वाह ! वाह ! बड़ा आनंद है ।''	**2**

	उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :**	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'विनोबा भावे' जी ने 'वाणी का सदुपयोग' पाठ में सत्य, मित और मधुर वाणी के सभ्य और उचित प्रयोग के महत्त्व को बताया है । भक्तिमार्ग की मुख्य शिक्षा ही यही है कि हमें अपनी वाणी से हर पल ईश्वर का नाम लेते रहना चाहिए । जीवन में जागरुकता लाने के उद्देश्य से संतों ने भी यही उपदेश दिया है कि शरीर को सांसारिक कार्यों में व्यस्त रखकर भी वाणी से सिर्फ ईश्वर के नाम का ही उच्चारण होते रहना चाहिए क्योंकि वाणी का ही मन पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है । यदि कोई सुंदर भजन सुनते हुए सो जाए तो सुबह उठते ही वही भजन अपने आप स्मरण हो जाता है । भजन का मनभावन नाद (ध्वनि, शब्द) नींद में भी मन में घूमता रहता हैं । भक्त कवि तुलसीदास जी ने अंतर की आत्मा और बाहर के जगत के मध्य वाणी को देहरी माना है । वाणी द्वारा रामनाम जपते रहने से ही सर्वत्र कल्याणकारी प्रकाश जगमगा उठता है । अर्थात हमारे मन के अंदर और शरीर के बाहर दोनों तरफ यदि हमें कल्याणकारी प्रकाश चाहिए तो वाणी रुपी देहरी पर रामनाम का बिना तेल-बाती का मणिदीप रखना होगा । इस प्रकार भक्ति मार्ग पर चलने वालों के लिए वाणी कल्याणकारी सिद्ध होती है ।	**3**
2)	सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है । बँगले के लॉन में बैठे लोगों को एक चिड़िया की 'जुहो! जुहो! जुहो!' रट सुनाई दी । उसके बारे में लोगों की जिज्ञासा देखकर मैनेजर ने उस इलाके में प्रचलित एक लोककथा का वर्णन करते हुए बताया कि किसी जमाने में वहाँ के पहाड़ों में एक अत्यधिक सुंदर कन्या थी। अत्यधिक गरीबी के कारण पिता ने उसका विवाह मैदानी इलाकों में कर दिया । वर्षा तथा सर्दी के महीने तो लड़की ने ससुराल में किसी तरह काट लिए परंतु गर्मी आते ही वह तड़प उठी। उसने नैहर जाने की प्रार्थना की परंतु उसकी सास और ननद ने इससे इनकार कर दिया । लड़की का शृंगार, खाना - पीना सब छूट गया तब उसने सास से गिड़गिड़ाते हुए कहा,'जुहो ?(जाऊँ)' तो सास ने निष्ठुरता से कहा,'भोल जाला (कल सुबह जाना)।' इस तरह टालते - टालते कई दिन बीतते गए और चिलचिलाती कड़ी धूप में जानलेवा लू चलने लगी । लड़की ने अंतिम बार अनुमति माँगी तो सास ने फिर वही जवाब दोहराया । अंततः एक शाम उस लड़की ने एक पेड़ के नीचे अंतिम साँस ली । तबसे कूर्मांचल के जंगलों में एक चिड़िया दर्द भरे स्वर में बार- बार 'जुहो ? जुहो ? जुहो ?' बोलती है और फिर एक पक्षी का कर्कश स्वर सुनाई देता है- 'भोल जाला', जिसे सुनकर वह चिड़िया मौन हो जाती है । बँगले के मैनेजर ने वहाँ उपस्थित लोगों को कूर्मांचल की यह करुण लोककथा सुनाई ।	**3**
3)	अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है । विशाल महल के अंदर सुख की सामग्री और विलासिता को देखकर राजकुमार को लगा कि यह किसी बड़े रईस का आशियाना है और वहाँ नर्तकियों से घिरा व्यक्ति कोई बहुत बड़ा	**3**

	रईस है । उसके संदेह को दूर करते हुए संन्यासी ने बताया कि यह कोई रईस नहीं बल्कि यह एक बड़े मंदिर का साधु, महंत है । यह साधु संसार का त्याग कर चुका है । संसार की वस्तुओं की ओर यह नजर तक नहीं उठाता । इसकी पूर्ण ब्रह्मज्ञान की बातें सिर्फ एक ढोंग है । यह सब सामग्री संसार से मुक्ति का साधन नहीं बल्कि इसकी आत्मा की प्रसन्नता का सामान है । इस भयानक हिंसक जीव ने न जाने कितने ही बेगुनाहों की हत्या की हैं । दिन में बैरागी का वेश धारण करने वाला यह रात में इस तरह का भोगी (ढोंगी) बन जाता है । इस महंत जैसे व्यक्ति भी हिंसक पशु के समान हैं । ये रँगे सियार सचमुच बड़े खतरनाक हैं । इन्हें समाप्त कर, इनसे संसार को मुक्ति दिलाना बहुत बड़ा धर्म हैं । इस प्रकार संन्यासी ने व्यंग्य करते हुए राजकुमार से जनता की रक्षा करने के लिए पाखंडी साधुओं का शिकार करने की प्रार्थना की ।	
4)	लेखक 'अजातशत्रु' जी ने 'राजा हरिश्चंद्र के आँसू' पाठ में भ्रष्टाचार में लिप्त सरकारी अधिकारी 'फूड इन्स्पेक्टर' की घूसखोरी का रोचक वर्णन किया है । भ्रष्टाचारी फूड इन्स्पेक्टर ने मजबूरी में आकर न चाहते हुए भी सैंपल की बोतलें उच्च अधिकारियों को फार्वर्ड कर कानून का पालन किया । उसका मानना था कि जब जनता के साथ बेईमान न हो सके तो सरकार के साथ ईमानदार हो जाओ । उसे उसकी इस ईमानदारी के लिए पुरस्कार मिलना चाहिए था परंतु इसका परिणाम उल्टा निकला । वह ग्वाला एक सामाजिक कार्यकर्ता का रिश्तेदार था । उसकी पकड़ उच्च अधिकारियों तक थी । इसलिए ग्वाले का केस वापस ले लिया गया और पहली बार अपने कर्तव्य का पालन करने वाले फूड इन्स्पेक्टर का तबादला कर दिया गया । इस प्रकार ग्वाले के साथ किए गए व्यवहार का नतीजा उसे दंड के रूप में मिलना चाहिए था परंतु प्रत्यक्ष (वास्तव) में नतीजा यह हुआ कि फूड इन्स्पेक्टर का ही तबादला हो गया ।	**3**
5)	लेखक 'राजेंद्र श्रीवास्तव' जी ने 'संपन्नता' पाठ में विनायक बाबू के परिवार के माध्यम से वास्तविक संपन्नता को परिभाषित किया है । विनायक बाबू ने बड़े साहब के यहाँ काम करते हुए अनुभव किया कि ये लोग नाम मात्र के लिए बड़े लोग हैं । वास्तव में वे बहुत ही विपन्न और लाचार हैं । मानवीय संबंधों और पारिवारिक रिश्तों को निभाने की कला से अपरिचित हैं । झूठी शानों - शौकत को ही जीने का आधार बना लिया है । विनायक बाबू यह देखकर हैरान हो गए कि बड़े साहब का इतना बड़ा बँगला सिर्फ चार - पाँच लोगों के रहने के लिए ही बनाया गया है । बँगले की सजावट में लाखों - करोड़ों रुपए बर्बाद कर दिए गए। एक पेंटिंग दो लाख रुपए खर्च करवाकर उनके ड्राइंग रुम की झूठी शान बढ़ा रही है । लगभग इतनी ही कीमत का केन्या से एक पत्थर का गेंडा मँगवाया गया था । ऐसे संपन्न माने - जाने वाले लोग अपने घर काम कर रहे कारीगर को न तो खाना खिला पाते हैं और न ही चाय पिलाते हैं । इनकी वाणी भी कर्कश होती है तथा इनका व्यवहार मिलनसार नहीं होता । इनके यहाँ ऑफिस में काम करने वाले बाबूओं से भी घरेलू नौकरों जैसा ही व्यवहार करते हैं । विनायक बाबू का मानना था कि जिनके बच्चों का असभ्य आचरण शर्मिंदा करता हो, जो ओछी हरकतें करते हो, ऐसे लोग भला बड़े कैसे हो सकते	**3**

	हैं ? विनायक बाबू का निजी अनुभव था कि ऐसे दमघोटू माहौल में उन जैसा साधारण व्यक्ति कभी नहीं रह सकता । अपने जीवन मूल्यों की प्राणवायु के बिना वे व्याकुल हो गए और जल्द ही बँगले से बाहर चले गए । इस प्रकार बँगले में दिन भर काम करते समय विनायक बाबू ने संपन्न लोगों की मूल्यहीन विपन्नता महसूस की ।	
	ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट दूधवालों द्वारा अधिक पानी डालने पर बढ़ेंगे ।	**1**
2)	चपरासी दूधवाले को दूध में अधिक पानी मिलाते रहने के लिए उकसाता है ।	**1**
3)	चपरासी मिल - जुलकर किए जाने वाले लेन - देन रूपी भ्रष्टाचार को भ्रष्टाचार नहीं मानते हुए सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन करता है ।	**1**
उ.2.	**क) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखित कीजिए ।**	
1)	और मिट गया चलते - चलते, <u>मंजिल</u> - पथ तय करते - करते ।	**1**
2)	तुम विशाल <u>सिंधु</u> पर, खून से विजय लिखो ।	**1**
3)	रक्त वर्षों से <u>नसों</u> में खौलता है ।	**1**
	ख) निम्नलिखित दिए गए प्रश्नों के उत्तर पठित कविताओं के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	वर्षा ऋतु के आगमन पर मेढ़क मुख्य वक्ता बन जाता है ।	**1**
2)	कवि ने मन को पीड़न और अन्याय न सहने के लिए कहा है ।	**1**
3)	धूल घागरा उठाकर भागी ।	**1**
	ग) निम्नलिखित दिए गए पठित पद्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए ।	
1)	मेघों के आने पर आँधी चली और धूल भागी ।	**1**
2)	'बाँकी चितवन' का अर्थ है सौंदर्य भरी तिरछी नजर ।	**1**
3)	बन - ठनकर मेघ आया ।	**1**
	घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए ।	
	भावार्थ :कवि देश के साहसी बालकों को प्रेरित करते हुए कहते हैं कि देश में फैले अत्याचार, शोषण, भ्रष्टाचार और अन्याय रूपी अंधेरे को मिटाना होगा । इस अंधकार को मिटाकर न्याय, सच्चाई, सदाचार और ईमानदारी रूपी आदर्शों का उजाला देश - में फैलाना होगा । देशहित के प्रेरक	**3**

कार्य रूपी आदर्श भावी पीढ़ी को प्रदान करने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी ही है । अपने सदाचार और नैतिकता के बलपर देश के वर्तमान को उन्नति की नई दिशा की ओर बढ़ते रहने दो ।

ड़) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :**

1) सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है । **3**

कृष्ण हर रोज अपने ग्वाल साथियों को लेकर चोरी - छुपके ब्रजनारियों के घर पहुँच जाते हैं । वहाँ वे छींके में से मक्खन चुराकर खाते हैं और कुछ नीचे गिरा देते हैं । ब्रज की नारियाँ नटखट कृष्ण को बार-बार समझाती हैं पर वह किसी भी तरह से नहीं समझते । उनकी इस शरारत से वे परेशान हो जाती हैं और यशोदा माँ के घर जाकर उनसे अनोखे पुत्र को जन्म देने का उपालंभ (शिकायत, ताना) देती हैं ।

इस प्रकार ब्रज की नारियाँ नटखट कृष्ण से तंग आकर यशोदा माँ से अनोखा पुत्र जनने का उपालंभ देती हैं ।

2) सुप्रसिद्ध कवि गोपालदास सक्सेना 'नीरज' जी ने 'खग, उड़ते रहना' कविता में मानव को किसी भी परिस्थिति में हार न मानने तथा जीवन के पथ पर सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी है । **3**

कवि 'नीरज' जी ने उदास, हताश और निराश खग का उत्साह बढ़ाते हुए कहा है कि उड़ान के वक्त तुम्हें प्रलयकारी आँधियों, तूफानों और हवा के झोकों का सामना करना पड़ सकता है । इसके बावजूद तुम्हें डरना नहीं चाहिए बल्कि प्रलय के उन झोकों का हिम्मत से सामना करना चाहिए । ये मुश्किलें दुश्मनों के समूह की तरह तुम्हें घेरेंगी परंतु आशावादी रहकर ही तुम इस संकट से मुक्ति पा सकते हो । तुम्हारे पंखों में असीम शक्ति है । मार्ग में आने वाला शत्रु समूह तुम्हारे पंखों से पिसकर पलक झपकते ही नष्ट हो जाएँगा । अपने हौसलों को बनाए रखने से ही तुम्हारी सारी मुसीबतें पल भर में नष्ट हो जाएँगी । इसलिए तुम्हें निश्चिंतता से जीवनभर लगातार बुलंदियों की तरफ उड़ते रहना चाहिए ।

इस प्रकार कवि 'नीरज' जी ने खग की हिम्मत प्रेरक आशावादी शब्दों से बँधाई है ।

3) कवि 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना' जी ने 'मेघ आए' कविता में बादलों के आगमन पर प्रकृति में होनेवाले परिवर्तन का मनोहारी सजीव चित्रण किया है । **3**

कवि ने मेघों को धरती पर आया हुआ मेहमान कहा है । संपूर्ण प्रकृति उस मेहमान के स्वागत में गतिशील हो गई है । सनसनाती तेज हवा मेहमानों के आगे - आगे चलकर उन्हें राह दिखा रही है । घर के दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने लगे हैं । मेहमान के आगमन को देखने के लिए धूल अपना घाघरा उठाकर भाग रही है । नदी का घूँघट खिसक गया है, जैसे वह तिरछी नजर से बादलों को देखे जा रही हो । पीपल का बूढ़ा पेड़ आगे बढ़कर मेहमान का स्वागत कर रहा है । दरवाजे की ओट से लता मेहमान द्वारा एक वर्ष बाद सुधि लेने की उलाहना दे रही है । तालाब मेहमान का पाँव पखारने के लिए परात भरकर पानी ले आया है । मेहमान के आगमन से बिजली इतनी अधिक प्रसन्न है कि पूरी

प्रकृति को वह अपने प्रकाश से प्रकाशमान किए जा रही है ।

इस प्रकार 'मेघ' रूपी 'मेहमान' के आने से पूरी प्रकृति खुशी से झूमकर उसके स्वागत में जुट गई है ।

उ. 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :

1) सुप्रसिद्ध लेखक 'हरिशंकर परसाई' जी ने 'अपनी - अपनी बीमारी' पाठ में अमीरी और गरीबी में अंतर को अपने हास्य - व्यंग्यात्मक तरीके से बताने का प्रयास किया है । **4**

लेखक के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो कई वर्षों से चंदा माँगने वालों का सामना कर रहा हो, यदि उसके पास कोई भी चंदा माँगने जाए तो वह तुरंत पहचान लेगा कि ये चंदा माँगने वाले लोग हैं । ठीक इसी तरह चंदा माँगने वाले अनुभवी भी उसे फौरन पहचान लेते हैं । चंदा लेने और देने वालों को एक - दूसरे के हाव - भाव और रंग - ढंग की बखूबी जानकारी होती हैं । इसके बावजूद चंदा लेने और देने वाले अपनी जिम्मेदारी अवश्य निभाते हैं । लेखक अपनी आप बीती बताते हुए कहते हैं कि उन्हें भी अक्सर किसी - न - किसी के यहाँ चंदा माँगने जाना ही पड़ता था । इस बार वे सज्जन के यहाँ चंदा माँगने गए जो चंदा न देने का अभ्यासी था । अत: दोनों एक - दूसरे के मन भावों से परिचित थे । वे सज्जन भी शायद समझ गए थे कि लेखक बिना चंदा लिए टल जाएगा और लेखक भी समझ गए कि उन सज्जन से चंदा मिलना असंभव है ।

इस प्रकार चंदा माँगने वाले और देने वाले एक - दूसरे को अपने अनुभवों के आधार पर पहचान लेते हैं ।

2) लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । **4**

ईसाई धर्म के लोग भी हिंदुओं की तरह तुलसी को पवित्र मानते हैं । अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेट बेसिल' यानी 'पवित्र तुलसी' कहते हैं । कहते हैं कि ईसाइयों में तुलसी के पौधे को पवित्र माने जाने का मुख्य कारण यह है कि यह पौधा ईसा मसीह (क्राइस्ट) की कब्र पर उगा था । फ्रांस के लोग तुलसी को 'ल प्लांती रोयली' अर्थात 'राजसी पौधा' कहते हैं । इटली और ग्रीस के लोग तुलसी के गुणों से परिचित थे । यही कारण है कि संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की टहनियों को गिरजाघर में ले जाती हैं और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । कुछ पत्तियों को खा लेने और कुछ को अपने वार्डरोब में चूहे व कीड़े भगाने के लिए प्रयोग करने की प्रथा भी है ।

इस प्रकार ईसाई धर्म में तुलसी को पवित्र व रोग विनाशक माना गया है ।

3) लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । **4**

थिंफू भूटान की राजधानी है । भूटान का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग से किया जाता है

	। रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल भूटान नरेश को राज-काज में सलाह देते हैं । काऊंसिल में कुल आठ सदस्य होते हैं । राष्ट्रीय विधान सभा की बैठक झाँग में ही होती है । विधानसभा में कुल 150 सदस्य होते हैं, जिनमें से एक सौ बीस जनप्रतिनिधि होते हैं । बीस सदस्यों की नियुक्ति शासन द्वारा की जाती है और दस सदस्य धर्मपीठ के सदस्य होते हैं । थिंफू का झाँग भी एक दर्शनीय स्थल बन गया है । इस प्रकार थिंफू का राज्य-संचालन एडवाइजरी काऊंसिल तथा विधान सभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है ।	
4)	ईश्वरचंद्र विद्यासागर जी को गर्मियों के दिनों में पत्र देने एक डाकिया उनके घर आया। वह नीचे बैठ गया और उनकी प्रतीक्षा करने लगा । विद्यासागर जी ने ऊपर की मंजिल से नीचे उतरकर देखा कि डाकिए को नींद आ गई थी । उन्होंने चिट्ठी ले ली और उसे पंखा झलने लगे। विद्यासागरजी के एक परिचित को यह अच्छा नहीं लगा । उन्होंने कहा, कहाँ आप और कहाँ सात रुपए पानेवाला यह डाकिया। आप उसे क्यों पंखा झल रहे हैं? इसपर विद्यासागरजी ने जवाब दिया, ''मेरे पिता सात रुपए के वेतन से ही पूरे परिवार को पालते थे । वे भी इसी तरह भरी दोपहरी में काम पर जाया करते थे । '' इस प्रकार समाजसेवक ईश्वरचंद्र विद्यासागर जी की महानता अपरिचित लोगों के प्रति भी दयाभाव रखने एवं उनकी मजदूरी का सम्मान करने से दृष्टिगोचर होती है ।	**4**
	अथवा **निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :**	
1)	लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है । भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते । यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है । स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं । ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं । इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है । संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं । जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो । तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल','बसिलिकोन','ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं । भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं । इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है । इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है । इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं । वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है । कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है । भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं । चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं । अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है ।	**8**

2)	लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है । थिंफू भूटान की वर्तमान राजधानी का एक शहर है । यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता काठमांडू और दार्जिलिंग से किसी भी स्तर में कम नहीं है । इस नगर के सारे मकान भूटानी प्रणाली में बने हैं । यहाँ की जनसंख्या केवल पचीस हजार है, जबकि पूरे भूटान की जनसंख्या सिर्फ सवा लाख है । थिंफू में केवल एक ही बैंक है - बैंक ऑफ भूटान । उसकी कलापूर्ण इमारत देखते ही बनती है । उसकी साज-सज्जा किसी विलासी राजा के रंगमहल से कम नहीं है । भूटान की मुद्रा को 'गुलत्रम' कहते हैं और उसका मूल्य हमारे एक रुपए के बराबर होता है । भूटान देश में भारतीय मुद्रा का आम प्रचलन है । यहाँ दोनों मुद्राओं का प्रयोग किया जाता है । जैसे भूटान में एक बैंक है, वैसे ही एक ही पेट्रोल पंप भी है जो राजधानी के नगर में आने-जाने वाली सभी मोटर-जीपों को पेट्रोल की पूर्ति करता है । थिंफू बुद्ध-धर्मियों का तीर्थ स्थान भी बन गया है । थिंफू नरेश का राजमहल अंत :वर्ती क्षेत्र में है जो अब राजमाता का निवासस्थान है । थिंफू के नरेश नदी के तट पर बनी पर्णकुटी में रहते हैं क्योंकि यहाँ के नरेश को राजमहल की शान-शोभा पसंद नहीं है । भूटान देश का राज्य-संचालन थिंफू के झाँग शहर से किया जाता है । झाँग सुंदर व दर्शनीय स्थल है । रॉयल एडवाइजरी काऊंसिल समिति ही नरेश को राज्य-संचालन के लिए सलाह देती है । जनप्रतिनिधि, धर्मपीठ के प्रतिनिधि और शासन द्‌वारा कुल डेढ़ सौ सदस्य नियुक्त करते हैं । अंदरुनी राज्य संचालन में भूटान सार्वभौम देश है लेकिन विदेशी नीति के लिए भारत की सलाह लेना भूटान के लिए बंधनकारी है । भूटान में सिर्फ भारत देश का ही दूतावास है ।	**8**
उ.4.	**च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**	
1)	पिताजी **<u>बहुत</u>** हँसते हैं ।	**1**
2)	अदालत से बच गए **<u>परंतु</u>** यहाँ नहीं बच सकते ।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :	
1)	ओर - अव्यय	**1**
2)	बुरी - विशेषण	**1**
	ज) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)	<u>वे</u> तोलकर <u>बोले ।</u>	**1**
2)	सर्दियों में पलाश के पत्ते <u>गिरे हैं ।</u>	**1**
	झ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :	
1)	लिया (लेना) सहायक क्रिया ।	**1**
2)	गया (जाना) सहायक क्रिया ।	**1**

अथवा

निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

1) वे अब मेरा मुँह नहीं देखना चाहते । **1**

2) मैं फिर भूल कर बैठा । **1**

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :**

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थकरूप	द्वितीय प्रेरणार्थकरूप
1) खरीदना	खरीदाना	खरीदवाना **1**
2) देना	दिलाना	दिलवाना **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1) दिलाया - प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया । **1**

2) रूलाया - द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया । **1**

ठ) **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :**

1) अभिनेत्री लेखक का मजाक उड़ाती है । **1**

2) भाषा ईश्वर की बड़ी देन है । **1**

3) उनका हाथ जल गया । **1**

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1) जॉर्ज ने कहा,''दोस्तो, यह सवाल सही है ।'' **1**

2) नेहरूजी ने कहा था,''आराम हराम है ।'' **1**

3) 'रामचरितमानस' तुलसीराम का अमर काव्यग्रंथ है । **1**

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**

1) खून सवार हो जाना – किसी को मार डालने को उद्यत होना । **1**
वाक्य : दुश्मन को सामने देख कर वीर सैनिकों के सिर पर खून सवार हो गया ।

2) मस्तक नवाना – सिर झुकाना । **1**
वाक्य : बहादुर सैनिक दुश्मन के सामने कभी मस्तक नहीं नवाते ।

3)	कमर कसना – तैयार होना । वाक्य : परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए सभी छात्रों ने कमर कस ली है ।	1
4)	मुँह मोड़ना – उपेक्षा करना । वाक्य : लॉटरी लग जाने पर उसने अपने गरीब मित्रों से मुँह मोड़ लिया ।	1
5)	साफ कर देना – खत्म या नष्ट कर देना । वाक्य : नौकर ने मौका पाकर सेठ जी की तिजोरी साफ कर दी ।	1
	अथवा **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :**	
1)	जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, मोहिनी को **चैन नहीं मिलेगा ।**	1
2)	छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर रमा **खिलखिलाकर हँसने लगी ।**	1
3)	अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी **नाक - भौं सिकोड़ेगा ।**	1
4)	हमारे जीवन में **गुदगुदाने वाले** क्षण बहुत कम होते हैं ।	1
5)	हफ्ते भर की बीमारी में मरीज **लोट गया ।**	1
उ.5.	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 105 - Q.10	10
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.110 - Q.15	10
3)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 129 - Q.34	10
4)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 136 - Q.42	10
उ.6.	**(त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए :**	
1)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 186 - Q.1	4
2)	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 194 - Q.11	4
	(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है ।	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 201 - Q. 3	4
	(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No. 90 - Q.7	4

❐❐❐❐❐